

महिलाओं का वर्णन किया एवं प्रत्येक महाराष्ट्रीयन परिवार से एक व्यक्ति समाज को कुछ विशिष्ट उपहार प्रदान करें ऐसा अपील भी की।

शुभारंभ के अवसर पर देवास की लैखिका एवं किताब चक्रा कर्पे द्वारा लिखित पुस्तक शेवटी संवाद महत्वांचला एवं पलाश सुजन द्वारा संरक्षित मध्यप्रदेश की मराठी भाषी स्वयंसीदाश पुस्तकों का विमोचन एक बेहद गरिमामयी कार्यक्रम में किया। दोपहर के सत्र में साहित्य प्रेमियों के लिए विशेष आयोजन हुए।